terrorist and secessionist activities in Assam. 2649 ULFA and 33 Bodo activists have been apprehended in Assam and other affected regions in this Operation upto 22nd November, 1991. 671 weapons and a sum of Rs. 58.17 lakhs have also been recovered. 9 militants have died as a result of the operation by the Army. 42 ULFA detenues have been released in phases in exchange of hostages. 6 persons are still held captive by the ULFA militants. Since the Army is providing aid to the civil authority in Assam, the duration of operation will depend upon the State Government. The average daily expenditure on Army is Rs. 21 lakh (Twenty-one lakh) approximately.

गोल डाकखाना इत्यादि में यातायात संबंधी प्रबन्ध

560. **श्री विश्वास राव रामराव पाटिल:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गोल डाकखाना, पटेल चौक और राम मनोहर लोहिया अस्पताल के पास के चौराहों में भारी यातायात के बावजूद न तो वहां यातायात पुलिस के किसी पुलिसमैन को तैनात किया जाता है और न ही किसी प्रकार के यातायात सिग्नल लगाये गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार वहां पर यातायात सिग्नल लगाने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो सिग्नल व्यवस्था कब तक उपलब्ध करा दिये जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) और (ख) दिल्ली पुलिस ने सूचित किया है कि गोल डाकखाना, पटेल चौक और राम मनोहर लोहिया अस्पताल के चौराहों पर भीड़-भाड़ के समय यातायात पुलिस कार्मिक तैनात किए जाते हैं । इसके अतिरिक्त गोल डाकखाने पर 7.00 बजे प्रात: से 9.00 बजे प्रात: और 12.00 बजे से 2.00 बजे दोपहर उपिराहनतक यातायात पुलिस कर्मचारी भी तैनात किए जाते हैं । इन चौराहों पर यातायात सिग्नल लगाना, सुचारू सड़क यातायात के लिए व्यवहारिक नहीं समझा गया ।

(ग) और (घ) इस समय ट्रैफिक सिग्नल लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

कश्मीर समस्या के संबंध में सुझाव

561. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार को कोआर्डिनेशन कमेटी आन कश्मीर नामक एक स्वयंसेवी संगठन से कश्मीर समस्या को सुलझाने के संबंध में एक फार्मूला प्राप्त हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) उक्त सुझावों के आधार पर क्या सरकार कश्मीरी उग्रवादियों के दलों से बातचीत करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) से (घ) कश्मीर के बारे में समन्वयन समिति की ओर से एक अपील प्राप्त हुई है । जिसमें कश्मीर समस्या को हल करने के लिए समिति द्वारा कुछ सुझाव दिए गए हैं ।

सरकार ने किसी से भी बात करने की अपनी इच्छा से अवत कराया है